

3/3/15

पत्रावली पेश हुई
न्यायालय समय में अधिकतम
वादी एवं वादीगण के नाम से अलग-अलग
समय पर तीन बार आवाज दिलाई गई।
कोई उपस्थित नहीं।
अस्य स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिकतम वादी
एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर
नहीं हैं।
लिखना वादी का वाक्य 'अदम पैरवी' व
'अदम हाजिरी' में खारिज किया जाता है।
पत्रावली फैसल शमार होकर दारिखल
दफ्तर हो व नंबर से कम हो।

3/25/25

~~अदम पैरवी~~
सत्यमेव जयते
(फास्ट ट्रेक) बाड़मेर